Wastage of Water

2541. SHRI B.K. HARIPRASAD : Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state :

(a) whether it is a fact that there is considerable wastage of water due to negligence of consumers as also that of neglect of distribution agencies due to leakage etc.; and

(b) if so, whether Government propose to impose stiff fines in this regard in view of the news-item which appeared in the Economic Times on 7th June, 1992 ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF URBAN DEVELOPMENT) SHRI M. ARUNACHALAM) : (a) Yes, Sir.

(b) Since water supply is a State subject, it is the responsiblity of the State Governments and urban local bodies to take appropriate remedial measures. The Ministry has, however, been focusing the attention of the State Governments *on,i^* the importance and need for leak detection and prevention of wastage. The Ministry has also been emphasising the need for rationalisation of tariffs both with the view of cost recovery as well as water conservation.

गुजरात में समेकित विकास के लिए शहरों को चुना जाना

2542. श्री रामसिंह राठवा : क्या शहरी विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) गुजरात के उन मध्यम और छोटे शहरों की संख्या तथा नाम क्या-क्या हैं जिन्हें समेकित विकास के लिए चुना गया है ;

(ख) गत दो वर्षों के दौरान चुने गए शहरों के लिए क्या लक्ष्य निर्धारित किए गए थे; और

(ग) उनमें हुई प्रगति की प्रतिशतता क्या है तथा उनका शहरवार ब्यौरा क्या है ?

शहरी विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एम० अरुणाचलम) : (क) से (ग) छोटे और मध्यम दर्जे के शहरों की एकीकृत विकास योजना (आई० डी० एस० एम० टी०) के अन्तर्गत 31 मार्च, 1992 तक गुजरात राज्य के 33 शहरों को शामिल किया गया है। छठी योजना, सातवीं योजना और वार्षिक योजना 1990–91 तथा 1991–92 के दौरान आई० डी० एस० एम० टी० योजना के अन्तर्गत शामिल किये गये शहरों के नाम विवरण में दिये गये हैं (नीचे देखिये) चालू वित्त वर्ष 1992–93 के लिए गुजरात सरकार से कोई प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है।

1990–91 के दौरान गुजरात राज्य में 5 शहर आई० डी० एस० एम० टी० योजना के अन्तर्गत शामिल करने हेतु निर्धारित किये गये थे जिसमें से 3 शहर शामिल किए गये थे। दो शहर नामत भड़ौच तथा नादियाड शामिल नहीं किए गये थे क्योंकि इनकी जनसंख्या एक लाख से अधिक थी। आई०डी०एस०एम०टी० योजना के अन्तर्गत एक लाख तक की जनसंख्या वाले शहरों को शामिल किया जाता है।

1991–92 के दौरान राज्य में 3 शहरों को निर्धारित किया गया था और सभी 3 शहरों को शामिल कर लिया गया है। इस प्रकार, 1990–91 और 1991–92 के दौरान आई०डी०एस०एम०टी० योजना के अन्तर्गत सम्मिलित करने हेतु गुजरात राज्य के निर्धारित 8 शहरों में से 6 शहरों को शामिल किया गया है। इस प्रकार उपलब्धि 75% है।